“हिंदी का सम्मान,

देश का सम्मान है”

“हमारी स्वतंत्रता कहाँ है,

राष्ट्रभाषा जहां है”

भाषा की सरलता, सहजता और शालीनता अभिव्यक्ति को सार्थकता प्रदान करती है। हिंदी ने इन पहलुओं को खूबसूरती से समाहित किया है।

-श्री नरेंद्र मोदी (प्रधानमंत्री)

भारतीय सभ्यता की अविरल धारा प्रमुख रूप से हिंदी भाषा से ही जीवंत तथा सुरक्षित रह पाई है।

-श्री अमित शाह (गृह मंत्री)

राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की एकता और उन्नति के लिए आवश्यक है।

-महात्मा गांधी

भारतीय भाषाएँ नदियां हैं और हिंदी महानदी।

-रवीन्द्रनाथ ठाकुर

हिंदी हमारे राष्ट्र की अभिव्यक्ति का सरलतम स्त्रोत है।

-सुमित्रानंदन पंत

हिंदी द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है।

-स्वामी दयानंद

"हिंदी का प्रयोग विवशता नहीं,

आवश्यकता है"

"सोच में लाए बदलाव।

राजभाषा का देखें प्रभाव॥"

“हिंदी में हस्ताक्षर लगे सुंदर और प्रखर”

हिंदी राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है।

-डॉ सम्पूर्णानन्द

हिंदी जैसी सरल भाषा दूसरी नहीं है।

-मौलाना हसरत मोहानी

हिंदी भाषा एक ऐसी सार्वजनिक भाषा है, जिसे बिना भेद-भाव प्रत्येक भारतीय ग्रहण कर सकता है।

-मदन मोहन मालवीय